Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani, LNMU

Class - B.A. - I (H)
Paper - II

Page No.
Date

Topic — गांधीजी के आर्थिक विचार

Lecture - I.

गांधीजी की आर्थिक विचारधारा के प्रमुखतया पांच बिन्दु है—

1. औद्योगीकरण का विरोध
2. कुटीर उद्योग - धंधों का समर्थन
3. व्यक्तिगत सम्पत्ति और प्रन्यास धारणा
4. अपरिग्रह का सिद्धांत
5. वर्ग सहयोग की धारणा।

(1) औद्योगीकरण का विरोध — आर्थिक व्यवस्था के सम्बन्ध में अपनाये गये अपनाये गये अपने इसी नैतिक दृष्टिकोण के कारण गांधीजी के द्वारा औद्योगिक क्रान्ति और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न केन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था का विरोध किया गया है बड़े उद्योगों की स्थापना के लिए बहुत अधिक मात्रा में कच्चे माल और बहुत बड़ी मात्रा में निर्मित पदार्थों के विक्रय के लिए बड़े बाजारों की आवश्यकता होती है तथा कच्चे माल और बड़े बाजारों की खोज की यह प्रवृत्ति साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद को जन्म देती है, जो कि नैतिकता के विरुद्ध है।

गांधीजी बड़ी मशीनों को मानव जाति के लिए अभिशाप मानते थे और उनका विचार था कि समाज में घृणा, द्वेष और स्वार्थ में जो वृद्धि दिखाई देती है, वह सब मशीनों का ही फल है। मशीनों के प्रयोग

के परिणामस्वरूप ही मानव का शारीरिक एवं नैतिक पतन हुआ है। औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप धन कुछ ही व्यक्तियों के हाथ में केन्द्रित हो जाता है और बहुसंख्यक वर्ग को अत्यधिक निर्धनता में अपना जीवन व्यतीत करना होता है। इस प्रकार औद्योगीकरण से शोषण को प्रोत्साहन मिलता है। उनका साधारण सिद्धान्त यह था कि जो मशीनें लोगों के हित साधन के काम आती हैं वह उचित है, किन्तु जो मशीन विनाशकारी और मानव शोषण को प्रोत्साहित करे उन मशीनों का प्रयोग वर्जित होना चाहिए।

(ii) कुटीर उद्योग – धंधों का समर्थन —

गांधीजी के द्वारा औद्योगीकरण का विरोध करते हुए कुटीर उद्योग – धंधों पर आधारित एक ऐसी विकेन्द्रित अर्थव्यवस्था का प्रतिपादन किया गया, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक गांव एक आर्थिक इकाई के रूप में कार्य करेगा। वे भारत की राजनीतिक एवं आर्थिक समस्याओं का हल मानते थे और उनके द्वारा आर्थिक क्षेत्र में स्वदेशी के विचार का प्रतिपादन किया गया। गांधीजी का विचार था कि प्रत्येक देश की अर्थव्यवस्था वहां की जलवायु, भूमि तथा वहां के निवासियों के स्वभाव को ध्यान में रखते हुए निश्चित की जानी चाहिए और इन

Ajanta PRODUCTS
Page No.
Date

बातों के आधार पर जहां तक भारत का सम्बन्ध है भारत के कुटीर उद्योग-धन्धों की निर्बलता ही सर्वाधिक है/

Khushbu Kumari
10th Aug. 2020